CIJ-02/DFJK-02

December - Examination 2025

फलित ज्योतिष में प्रमाण–पत्र

(Certificate in Phalit-Jyotish)

ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि

Paper : CIJ-02/DFJK-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **100***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' 10×2=20

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) छिद्र तिथि किसे कहा जाता है?
   (ii) सौम्यायन का अन्य नाम क्या है?
   (iii) सौरमास किसे कहते हैं?
   (iv) गलग्रह तिथियाँ कौनसी हैं?
   (v) एक चौघड़िए का मान कितना होता है?
   (vi) पूर्व दिशा में किस वार को दिशाशूल होता है?
   (vii) अग्निवास किसे कहा जाता है?
   (viii) किस योग का स्वामी भगवान विष्णु को माना गया है?
   (ix) राहुकाल किसे कहते हैं?
   (x) मूल संज्ञक नक्षत्रों के नाम लिखिए।

खण्ड–'ब' 4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

2. तिथि गण्डान्त एवं लग्न गण्डान्त में अन्तर को स्पष्ट कीजिए।
3. वारों के अनुसार, करणीय कार्यों को स्पष्ट कीजिए।
4. गुणमिलान को संक्षेप में समझाइए।
5. अभिजीत मुहुर्त को स्पष्ट कीजिए।
6. भद्रा को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
7. दशम भाव निकालने की विधि को बताइए।
8. शिववास को जानने का प्रकार समझाइए।

खण्ड–'स' 2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

9. संवत्सर किसे कहते हैं? संवत्सर आयन विधि एवं संवत्सर स्वामियों का विवेचन कीजिए।

10. तिथि किसे कहते हैं? नंदादि तिथियों का वर्णन कीजिए।

11. नक्षत्रों की संज्ञा एवं उनमें करणीय कर्म पर एक लेख लिखिए।

12. चरकारक किसे कहते हैं? चरकारक के भेदों का वर्णन कीजिए।